नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

लगन से काम कर विवि को दे उंचाई - कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

हिंदी विश्वविद्यालय में कार्यालय प्रबंधन कार्यशाला का समापन

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का आयोजन

वर्धा, दि. 13 जून 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कर्मचारियों से आहवान किया कि लगन से काम कर विश्वविद्यालय को

नई उंचाई प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हों। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए 13 एवं 14 जून को आयोजित दो दिवसीय कार्यालय प्रबंधन कार्यशाला के समापन पर प्रो. शुक्ल कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। शुक्रवार को महादेवी

वर्मा सभा कक्ष में कार्यशाला का समापन किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो.

कृष्ण कुमार सिंह, गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, सहायक कुलसचिव राजेश अरोड़ा, सहायक कुलसचिव विनोद वैद्य प्रमुखता से उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय की छवि को निखारने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कर्मी ही विश्वविद्यालय की नींव होते है और उनके कंधों पर

विश्वविद्यालय का भार होता है। प्रशासनिक तथा अकादमिक गुणवत्ता में सुधार की दिशा में कर्मियों को दक्षता पूर्वक काम कर कर्तव्यनिष्ठता का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कर्मियों से

आग्रह किया कि वे लगन से काम कर आनंद की अनुभूति प्राप्त करें, इससे आपका निरंतर परिष्कार होता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन राजेश अरोड़ा ने किया तथा आभार कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने माना। डॉ. शोभा पालीवाल ने कुलपति प्रो. शुक्ल का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया तथा दो दिन तक चली कार्यशाला की कार्यवाही के बारे में अवगत कराया। कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने अवकाश नियम, हिंदी भाषा शुद्धिकरण, नोटिंग, ड्राफ्टिंग, फाइल प्रबंधन, कार्यालयीन पत्राचार, एलटीसी तथा सूचना का अधिकार अधिनियम आदि महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारी सहभागी हुए।